



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 295]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 7, 2015/वैशाख 17, 1937

No. 295]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 7, 2015/VAISAKHA 17, 1937

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 2015

सं. 31/2015-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 370(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 12/2012 सीमा-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 2012 में, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का. नि. 185(अ), तारीख 17 मार्च, 2012, प्रकाशित हुई थी, निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,

(क) सारणी में, क्रम सं. 139क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टियां अंतस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“139 ख	2711 11 00, 2711 21 00	जीएआईएल द्वारा तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) तथा प्राकृतिक गैस (एनजी) आयात करके ऊर्जा सृजित करने वाली ऐसी किसी कंपनी को जिसे विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 2 के खंड (28) में पारिभाषित किया गया है, को आपूर्ति करने हेतु जो विद्युत ऊर्जा की आपूर्ति के व्यवसाय से जुड़ी हो परन्तु यह कि ऐसी छूट उपलब्ध नहीं होगी यदि ऐसी तरल प्राकृतिक	शून्य	-	102;”
-----------	------------------------------	---	-------	---	-------

		गैस (एलएनजी) तथा प्राकृतिक गैस (एनजी) का प्रयोग किसी कैपटिव सृजन संयंत्र द्वारा विद्युत ऊर्जा के सृजन हेतु हो जैसा कि विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 2 के खंड (8) में पारिभाषित किया गया है।			
--	--	--	--	--	--

(ख) सारणी के पश्चात, परंतुक में, खंड (खग) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(गक) 1 अप्रैल, 2017 को या उसके पश्चात उक्त सारणी के क्रम सं. 139ख के सामने विनिर्दिष्ट माल”।

(ग) अनुबंध में शर्त संख्या 101 के सामने तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित शर्त अस्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

“102	यदि,-
	<p>(i) यदि आयात कर्ता आयात के समय सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क या उप-आयुक्त सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, के समाने ऐसी स्व-घोषण करता है जिसमें विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 2 के खंड (28) में परिभाषित जनरेटिंग कंपनियों को रीगैसीफाइड तरल प्राकृतिक गैस (आरएलएनजी) के रूप में आपूर्ति किये जाने के लिए आयात किये जाने वाले एलएनजी की मात्रा दर्शाई गई हो;</p> <p>(ii) आयातक, आयात की तारीख के तीन माह की अवधि के भीतर अथवा ऐसी बढ़ाई हुई अवधि, जो कि छह माह से अधिक न हो, जैसा कि सीमा-शुल्क आयुक्त अनुमति दे, के भीतर विद्युत उत्पादन कंपनियों को आरएलएनजी की बिक्री की इनवायस सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क या उप-आयुक्त सीमा शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, को प्रस्तुत करें;</p> <p>(iii) आयातक भी विद्युत उत्पादन कंपनियों से इस आशय का उपयोगिता प्रमाण कि लेगा पत्र उत्पादन कम्पनी द्वारा विद्युत ऊर्जा के उत्पादन और आपूर्ति के लिए आरएलएनजी का प्रयोग किया गया है तथा इस प्रकार का उपयोगिता प्रमाणपत्र आयात की तारीख के तीन माह की अवधि के भीतर अथवा ऐसी बढ़ाई गई अवधि, जो कि छह माह से अधिक नहीं हो, जैसा कि सीमा-शुल्क आयुक्त अनुमति दें, सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क या उप-आयुक्त सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, को प्रस्तुत करें;</p> <p>(iv) जीएआईएल अपने बोर्ड के संकल्प द्वारा समर्थित एक कॉर्पोरेट गारंटी जो कि ऐसी वस्तुओं पर इसमें विनिर्दिष्ट छूट के अलावा इस पर लगाए जाने योग्य सीमा-शुल्क तथा आयात के समय लगाए गए सीमा-शुल्क के अंतर के बराबर हो सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क या उप-आयुक्त सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, को प्रस्तुत करेगा ;</p> <p>(v) आयातक द्वारा उपर्युक्त किसी भी शर्त की अनुपालना नहीं किए जाने की स्थिति में मांग किए जाने पर, ऐसी वस्तुओं पर इसमें विनिर्दिष्ट छूट के अलावा इस पर लगाए जाने योग्य सीमा-शुल्क तथा आयात के समय लगाए गए सीमा-शुल्क तथा उस पर लागू ब्याज को अदा करने का वचन पत्र प्रस्तुत करेगा;</p> <p>(vi) यदि आयातक ने उपर्युक्त (i) के अंतर्गत स्व-घोषणा में दर्शाई गई मात्रा से अधिक मात्रा के लिए इनवायस और उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जो आयातक को बाद के आयातों जिन पर अन्यथा ड्यूटी देय है, में इस प्रकार की अतिरिक्त मात्रा पर अदा की गई ड्यूटी को समायोजित करने की अनुमति होगी।”</p>

[फा. सं. वी-354/125/2014-टीआरयू]

अक्षय जोशी, अवर सचिव

टिप्पणी: मूल अधिसूचना सं. 12/2012-सीमा-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 2012, सा.का.नि. 185(अ), तारीख 17 मार्च, 2012 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) द्वारा प्रकाशित की गई थी और उसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 28/2015-सीमा-शुल्क, तारीख 30 अप्रैल, 2015 सा.का.नि. 338(अ), तारीख 30 अप्रैल, 2015 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department Of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th May, 2015

No. 31/2015-Customs

G.S. R. 370(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 12/2012-Customs, dated the 17th March, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 185(E), dated the 17th March, 2012, namely:—

In the said notification,—

- (a) in the Table, after serial number 139A and the entries relating thereto, the following serial number and the entries shall be inserted, namely :—

“139B	2711 11 00, 2711 21 00	Liquefied natural gas (LNG) and natural gas (NG) when imported by GAIL for supply to a generating company as defined in clause (28) of section 2 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) to supply electrical energy or to engage in the business of supplying electrical energy, for generation of electrical energy: Provided that the exemption shall not be available if such liquefied natural gas (LNG) and natural gas (NG), is used for generation of electrical energy by captive generating plant as defined in clause (8) of section 2 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003).	Nil	-	102”;
-------	---------------------------	---	-----	---	-------

- (b) after the Table, in the proviso, after clause (bc), the following clause shall be inserted, namely:-

“(ca) the goods specified against serial number 139B of the said Table on or after the 1st day of April 2017;”;

- (c) in the ANNEXURE, after condition number 101 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

“102	If,- (i) the importer furnishes a self-declaration at the time of import to the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, indicating the quantity of LNG being imported for supply as Regasified Liquefied natural gas (RLNG) to generating companies as defined in clause (28) of section 2 of Electricity Act 2003; (ii) the importer produces the invoice for sale of RLNG to the generating companies before the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, within a period of three months from the date of import, or such extended period not exceeding a further period of six months as the Commissioner of Customs may allow; (iii) the importer also produces utilisation certificates from the generating companies to the effect that the RLNG has been utilised for generating and supplying electrical energy by the said generating companies before the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, and such utilisation certificates shall be produced within a period of three months from the date of import, or such extended period not exceeding a further period of six months as the Commissioner of Customs may allow; (iv) GAIL furnishes a corporate guarantee backed by it's Board resolution, of an amount equal to the difference between the Customs duty leviable on such goods but for the exemption contained therein and the duty levied at the time of import, to the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be; (v) the importer furnishes an undertaking to pay, on demand, in the event of his failure to comply with any
------	--

	of the aforesaid conditions, an amount equal to the difference between the Customs duty leviable on such goods but for the exemption contained therein and the duty levied at the time of import, along with the applicable interest thereon;
(vi)	the importer furnishes the invoices and utilisation certificates for a quantity greater than the quantity indicated in self-declaration furnished under (i) above, then the importer shall be allowed to adjust the duty paid on such additional quantity in the subsequent imports for which duty is otherwise payable.”.

[F. No. 354/125/2014-TRU]

AKSHAY JOSHI, Under Secy.

Note.- The principal notification No. 12/2012-Customs, dated the 17th March, 2012 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 185(E), dated the 17th March, 2012 and last amended by notification No. 28/2015-Customs, dated the 30th April, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 338(E), dated the 30th April, 2015.